सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 317 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 28 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में यह सोच विकसित कर देता है कि वो असफल नहीं हो सकते।
-बिल गेट्स

भाजपा खुद उपलब्ध करा रही शिंदे गुट... 8 | पिछड़ों के आरक्षण पर घिरी योगी... 3 | जमीन से आसमान तक 'यात्रा' पर... 7

आरक्षण की चिंगारी...भगवा खेमे पर भारी!

निकाय चुनाव बना भाजपा के लिए गले की फांस, पिछड़ों की नाराजगी से छूटे पसीने

» भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी ने देश में बढ़ती साम्प्रदायिकता पर मोदी सरकार को है घेरा

परवेज त्यागी

उत्तर प्रदेश में सपा की 'संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ' यात्रा योगी सरकार के लिए बनेगी सिरदर्द

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के लिए यूपी नगर निकाय चुनाव गले की फांस बन गया है। एक दिन पूर्व आए इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के फैसले ने प्रदेश की योगी सरकार को बड़ा झटका तो दिया ही, सूबे की सियासत को भी गरमा दिया। अदालत के इस फैसले के बाद जिस अंदाज में विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरा है उससे भाजपा के सामने भविष्य के लिए मुश्किलें खड़ी होती दिखने लगी हैं। हालांकि बचाव के लिए भाजपा हर संभव जतन में जुटी है, मगर वह इस फैसले के बाद होने वाले डैमेज को कितना कंट्रोल कर पाती है यह देखने वाली बात होगी।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के लिए सीटों के आरक्षण की घोषणा होते ही ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) के आरक्षण को लेकर अदालत में याचिकाएं डलनी शुरू हो गई थी। जिसके बाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने पर रोक लगा दी थी। लगातार अदालत में ओबीसी आरक्षण के मामले पर सुनवाई हुई। अंतत: मंगलवार को बड़ा फैसला अदालत ने सुना दिया। अदालत ने अपने फैसले में यूपी नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के बगैर चुनाव कराने के आदेश दिये है। अपने आदेश में अदालत ने योगी सरकार को ओबीसी के लिए निर्धारित सभी सीटों को सामान्य श्रेणी में रख कर चुनाव तत्काल कराने का फरमान भी सुनाया। इस फैसले के बाद एकाएक लखनऊ से लेकर दिल्ली तक की सियासत गरमा गई और अदालती फरमान ने ओबीसी के बीच नाराजगी के मद्देनजर भाजपा के कड़ाके की सर्दी में पसीने छुड़ा दिये। हालांकि हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी डैमेज को कंट्रोल करने में जुट गई। बाकायदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान जारी कर पहले पिछड़ों को आरक्षण और उसके बाद ही इलेक्शन कराने की बात कही है। मगर विपक्ष पूरी तरह भाजपा पर हमलावर है। जिस प्रकार तमाम सियासी दल ओबीसी आरक्षण के मामले में भाजपा पर निशाना साधते हुए योगी सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे है उससे बीजेपी की बेचैनी बढ़ती जा रही है। जहां देश में एक ओर कांग्रेस के कद्दावर नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के मंच से मोदी सरकार को लगातार देश में बढ़ती साम्प्रदायिकता के मुद्दे पर घेर रहे है। वहीं दूसरी ओर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने आरक्षण के मुद्दे पर योगी सरकार को घेरा है। ओबीसी आरक्षण के तूल पकड़ने के बाद सपा ने संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ यात्रा का एलान कर दिया है। इस यात्रा के जरिए सपाई प्रदेश में घर-घर जा कर भाजपा की आरक्षण के मामले में पोल खोलेंगे। ऐसे में भाजपा के सितम ढहाती सर्दी में पसीने छूटना स्वाभाविक है।

डैमेज कंट्रोल में जुटी भाजपा को विपक्ष के हमले कर रहे परेशान

नहीं कहूंगी लोधियों बीजेपी को वोट करो: उमा भारती

लखनऊ। बीजेपी की फायर ब्रांड नेता उमा भारती अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनका ताजा बयान इस समय सुर्खियां बटोर रहा है। उनके इस बयान पर विपक्ष जमकर चुटकी ले रहा है। दरअसल, लोधी समाज के एक कार्यक्रम में पहुंचीं उमा भारती ने कहा कि, मैं लोधी समाज को राजनीतिक बंधन से मुक्त करती हूं। मैं चुनाव में आऊंगी, मंच से संबोधित करूंगी, लेकिन यह नहीं कहूंगी कि लोधियों तुम बीजेपी को वोट करो। मैं तो सभी से कहती हूं कि आप बीजेपी को वोट करें, क्योंकि मैं तो पार्टी की निष्ठावान सिपाही हूं। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। उमा के इस बयान पर कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट कर लिखा, लोधी समाज के लिए बड़ा संदेश। बीजेपी की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने लोधी समाज को संकेत दिया है कि अब बीजेपी को वोट देने की जरूरत नहीं है। मध्य प्रदेश बचाने के महा अभियान में उमा भारती जी का स्वागत है। मध्य प्रदेश मांगे कमलनाथ।

'संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ' यात्रा निकालेगी सपा

» पिछड़ों व दलितों को साधने का पार्टी करेगी प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव में पिछड़े वर्ग के आरक्षण के मुद्दे को लेकर सपा गांव-गांव जाएगी। वह लोगों को बताएगी कि भाजपा सरकार ने साजिश के तहत कोर्ट में सही तथ्य प्रस्तुत नहीं किए। सपा ने इस मुद्दे को लेकर विधानसभा क्षेत्रवार 'संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ' यात्रा निकालने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

इसके जरिए पार्टी पिछड़ों और दलितों को गोलबंद करने की कोशिश करेगी। पार्टी ने निकाय चुनाव को लेकर आए हाईकोर्ट के फैसले को संविधान विरोधी बताया है। अखिलेश यादव भी लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि भाजपा संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है। पार्टी उनके इस आरोप को हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देकर जनता के बीच सुबूत के रूप में प्रस्तुत करेगी। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि भाजपा के संविधान विरोधी होने का इसके इतर किसी अन्य सुबूत की जरूरत नहीं है। वहीं, सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि वह कार्यकर्ताओं के साथ इस मुद्दे को लेकर हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। जल्द ही गांव-गांव यात्रा निकाली जाएगी। सपा की रणनीति है कि इस आंदोलन के बहाने पिछड़े वर्ग के नेताओं को लामबंद किया जाए। पार्टी के नेता एकजुट होकर अपने इलाके में मतदाताओं के बीच पैठ बनाएंगे। अभी भाजपा का साथ देने वाली पिछड़े वर्ग की जातियों को भी लक्ष्य बनाया जाएगा। उन्हें समझाया जाएगा कि भाजपा के इशारे पर नौकरशाही आरक्षण को समाप्त करने की साजिश रच रही है।

प्रदेश में घर-घर दस्तक देंगे सपाई

प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि अभी तक उत्तर प्रदेश में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष आदि की तैनाती नहीं की गई। आयोग सक्रिय होता तो कुछ हद तक संभव है कि वह आरक्षण की मनमानी पर अंकुश लगाता। उन्होंने कहा कि सपा इस मुद्दे को लेकर हर प्रदेशवासियों के दरवाजे पर जाएगी और उन्हें बताएगी कि किस तरह से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान में किए गए प्रावधानों को खत्म करने की साजिश रची जा रही है।

सपा दफ्तर में एंट्री बैन पर भड़के ओपी राजभर

कहा- करता रहूंगा पिछड़ों-मुस्लिमों की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर ओम प्रकाश राजभर की एंट्री बैन के होर्डिंग्स लगाए हैं। इसे लेकर सुभासपा मुखिया ओम प्रकाश राजभर का जवाब आ गया है। उन्होंने होर्डिंग लगने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे एक बैनर नहीं, हजार लगा दो।

राजभर पर फर्क पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि 38 साल से वह पिछड़ों की हिस्सेदारी की बात कर रहे हैं। सपा को यही बात बुरी लग रही है। उन्होंने निकाय चुनाव में आरक्षण को लेकर हाई कोर्ट के फैसले पर भी टिप्पणी की और कहा कि हाई कोर्ट अंतिम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट अभी बाकी है। दरअसल, मंगलवार को सपा कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है। इसमें लिखा है कि ओम प्रकाश राजभर का सपा कार्यालय में आना प्रतिबंधित है। इसे लेकर सपा और सुभासपा में विवाद गहरा होता नजर आ रहा है। सुभासपा के मुखिया ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता बौखला गए हैं क्योंकि हम मुसलमान और पिछड़ों के लिए हिस्सेदारी मांग रहे हैं। वहीं जब ओम प्रकाश राजभर से यह सवाल किया गया तो वह भड़क गए।

मायावती ने कहा-भाजपा को गलती की सजा जरूर देगा ओबीसी समाज

» हाईकोर्ट का फैसला सरकार की ओबीसी एवं आरक्षण विरोधी सोच व मानसिकता को प्रकट कर रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को रद्द करने के हाईकोर्ट के फैसले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी पर करारा हमला बोल दिया है। उन्होंने कहा कि इस गलती की सजा ओबीसी समाज बीजेपी को जरूर देगा।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यूपी में बहुप्रतीक्षित निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक अधिकार के तहत मिलने वाले आरक्षण को लेकर सरकार की कारगुजारी का संज्ञान लेने सम्बंधी हाईकोर्ट का फैसला सही मायने में भाजपा व उनकी सरकार की ओबीसी एवं आरक्षण-विरोधी सोच व मानसिकता को प्रकट करता है। मायावती ने आगे लिखा कि यूपी सरकार को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अनुपालन करते हुए ट्रिपल टेस्ट द्वारा ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था को समय से निर्धारित करके चुनाव की प्रक्रिया को अन्तिम रूप दिया जाना था, जो सही से नहीं हुआ। इस गलती की सजा ओबीसी समाज बीजेपी को जरूर देगा।

यूपी सरकार के नगर विकास मंत्री एके शर्मा का कहना है कि राज्य सरकार का मानना है कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार आयोग गठित करके ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया को पूरा करके हम ओबीसी को आरक्षण देने के बाद ही निकाय चुनाव कराएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि हम इसके कानूनी पहलुओं को और अधिक गहराई व गंभीरता से अध्ययन कर रहे हैं और अगर आवश्यक होगा तो हम सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे।

भारत जोड़ो यात्रा के संदेश को आगे बढ़ाएंगी प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 26 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होने वाली भारत जोड़ो यात्रा के बाद, कांग्रेस 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके माध्यम से कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के संदेश को आगे बढ़ाएगी। आधी आबादी यानी महिलाओं पर फोकस करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा देशभर में दो महीने तक चलने वाले इस अभियान का नेतृत्व करेंगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि अभियान के तहत पद यात्राएं और रैलियों का आयोजन किया जाएगा। प्रियंका गांधी भारत जोड़ो यात्रा का संदेश फैलाने के लिए प्रत्येक राज्य की राजधानी में महिलाओं के साथ पदयात्राएं करेंगी। इस दौरान महंगाई व महिलाओं से जुड़े मुद्दे खासतौर पर उठाए जाएंगे।

बंगाल में भारत जोड़ो यात्रा आज से शुरू

कोलकाता। बंगाल में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' आज से शुरू होगी। राज्य में इसे 'सागर से पहाड़' तक नाम दिया गया है। बुधवार सुबह दक्षिण 24 परगना जिले के सागरद्वीप स्थित गंगासागर से 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत होगी और यह अगले साल 23 जनवरी को कर्सियांग, दार्जिलिंग में समाप्त होगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

हेट स्पीच से जुड़ा है प्रज्ञा ठाकुर का बयान, जाएंगे सुप्रीम कोर्ट: जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के एक हालिया बयान को स्पष्ट रूप से हेट स्पीच का मामला करार देते हुए कहा कि वह प्रज्ञा के खिलाफ जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रज्ञा ठाकुर ने जो कहा है, वो स्पष्ट रूप से हेट स्पीच का मामला है। मैं इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा। इससे पहले, रमेश ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की टिप्पणी को लेकर ट्वीट किया कि हेट स्पीच का स्पष्ट का मामला है।

उनके खिलाफ मुकदमा चलना चाहिए। प्रज्ञा ठाकुर ने हिंदू जागरण वेदिके के दक्षिण क्षेत्र के वार्षिक समारोह में कहा था, संन्यासी कहते हैं कि ईश्वर द्वारा बनाई गई इस दुनिया में सभी अत्याचारियों और पापियों का अंत करो, अन्यथा प्रेम की सच्ची परिभाषा यहां नहीं बचेगी। तो लव जिहाद में शामिल लोगों को उसी तरह जवाब दो। अपनी बेटियों की रक्षा करो, उन्हें सही मूल्य सिखाओ। उन्होंने शिवमोगा के हर्षा समेत हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए लोगों से कहा था कि वे आत्मरक्षा के लिए अपने घरों में धारदार चाकू रखें।

पिछड़ों के आरक्षण पर घिरी सरकार विपक्ष के तीखे हमले भी हुए और तेज

- अखिलेश-मायवती और कांग्रेस समेत राजनीतिक दलों का सरकार पर हमला
- हाईकोर्ट के निकाय चुनाव आरक्षण पर फैसले से गरमाई राज्य की राजनीति
- ओबीसी और दलितों का आरक्षण समाप्त करने का भाजपा पर मढ़ रहे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछड़ी जाति के आरक्षण पर अदालत का फैसला आने के बाद से योगी सरकार पूरी तरह घिर गई है। विपक्षी दलों के तीखे हमले भी सरकार पर तेज हो गए हैं। विपक्षी आरोप लगा रहे है कि भाजपा और आरएसएस आरक्षण विरोधी हैं। देश से पहले ओबीसी का आरक्षण छीना जाएगा और फिर अगला हमला दलितों के आरक्षण पर होगा। दरअसल, हाईकोर्ट का बिना ओबीसी आरक्षण के उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव कराने का निर्णय आया है।

इस फैसले के आने के बाद से विपक्ष पूरी तरह सरकार पर हमलावर है और राज्य की सियासत का पारा कड़ाके की ठंड में भी चढ़ गया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायवती और कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने ट्वीट कर प्रदेश में भगवा दल के अगुवा सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। हालांकि की मुख्यमंत्री ने इस मामले में मुसीबत बढ़ती देख फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही हैं, मगर बुरी फंसी भाजपा के लिए अदालती फरमान के बाद ओबीसी वर्ग के बीच भरोसे का संकट खड़ा हो गया है।

सीएम बोले-पहले देंगे आरक्षण फिर चुनाव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश सरकार ओबीसी आरक्षण के लिए आयोग का गठन करेगी। ट्रिपल टेस्ट के आधार पर ओबीसी वर्ग को आरक्षण देने के बाद ही निकाय चुनाव कराए जाएंगे। अगर जरूरी हुआ तो सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएगी।

अखिलेश यादव का केशव मौर्य पर हमला

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट कर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को निशाने पर लिया है। कहा कि मौर्य पिछड़े जरूर हैं लेकिन वह ओबीसी के हितों की रक्षा नहीं कर सकते हैं। ओबीसी आरक्षण पर भाजपा घड़ियाली सहानुभूति दिखा रही है। आज भाजपा ने पिछड़ो का आरक्षण का हक छीना है, कल दलितों का आरक्षण भी छीन लेगी। ओबीसी आरक्षण पर फैसला सरकार की साजिश का नतीजा है।

विपक्ष के हाथ लगा बड़ा मुद्दा

गौरतलब है कि भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में ओबीसी के दम पर ही देश और प्रदेश की सत्ता का लंबे समय बाद स्वाद चखा था। 2014 में तो पार्टी को राज्य की 80 में से सहयोगी दल समेत 73 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं, 2017 के विधानसभा चुनावों में पार्टी ने 325 से ज्यादा सीटों पर कब्जा किया था। इसकी बड़ी वजह प्रदेश की गैर यादव ओबीसी बिरादरी का खुलकर भाजपा को समर्थन देना था। हाईकोर्ट के फैसले के बाद विपक्षी दल भाजपा पर खुलकर ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं। अगर कहा जाए कि विपक्ष खासकर सपा गठबंधन को बैठे-बिठाए एक बड़ा मुद्दा सरकार के खिलाफ हाथ लग गया है तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। इसके बहाने भाजपा की धार को कुंद करने की कोशिश में सभी दल जुट गए हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ दल को अब फूंक-फूंककर कदम उठाना होगा।

मेयर की सीटों का गणित

उत्तर प्रदेश में 762 शहरी निकाय हैं। इसमें 17 नगर निगम, 200 नगरपालिका परिषद और 545 नगर पंचायत हैं। शहरी निकाय की कुल आबादी करीब 5 करोड़ है। नगर निगम में दो सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है, इसमें से एक सीट आगरा अनुसूचित जाति की महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित है जबकि झांसी की सीट अनुसूचित जाति के लिए है। इसके अलावा 4 मेयर सीट ओबीसी के लिए रिजर्व है। अलीगढ़, मथुरा-वृंदावन की सीट ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। मेरठ और प्रयागराज की सीट ओबीसी उम्मीदवार के लिए है। अयोध्या, सहारनपुर और मुरादाबाद की मेयर सीट महिला के लिए आरक्षित है। इसके अलावा बची आठ मेयर की सीट अनारक्षित हैं। इनमें फिरोजाबाद, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, बरेली और शाहजहांपुर की सीटें शामिल हैं।

एक-दूसरे का सहारा बन सकते हैं बसपा-कांग्रेस

लगातार सिमटती जा रही बसपा

5 साल बाद यानी 2014 के चुनाव में बसपा का वोट बैंक सिकुड़ा और पार्टी राज्य की सत्ता वर्ष 2012 में गंवाने के बाद लोकसभा से साफ हो गई। इस चुनाव में भाजपा गठबंधन यानी एनडीए ने 73 सीटों पर जीत दर्ज की। 5 सीटें सपा और 2 सीटें बसपा के पाले में गई। 22 से 25 फीसदी वोट बैंक की राजनीति करने वाली मायावती का आधार वोट खिसका। इसके बाद से बसपा संभल नहीं पाई है। कुछ बड़े नेताओं के पार्टी से जाने के बाद बसपा के पास से ओबीसी वोट भी छिटकने लगा, वहीं कहीं-कहीं तो बसपा अपना सॉलिड दलित वोट भी नहीं बचा सकी। नतीजा ये रहा कि 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा के खाते में सिर्फ 19 सीटें ही आईं। इसके बाद एक बार फिर 26 साल बाद सपा और बसपा का गठबंधन हुआ। दोनों ने 2019 का लोकसभा चुनाव एकसाथ मिलकर लड़ा। इसका भी कुछ खास असर नहीं हुआ। बस, 2014 के लोकसभा चुनाव में 71 सीट जीतने वाली भाजपा 62 सीटों पर आ गई। 5 साल में 9 सीटों का नुकसान। फायदे में मायावती की बसपा रही। पार्टी ने सपा से गठबंधन का फायदा उठाते हुए 10 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सपा 5 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। कांग्रेस घटकर एक सीट पर पहुंच गई। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा का वोट शेयर सपा से गठबंधन के बाद भी लगभग 19.3 फीसदी ही रहा। सपा 18 फीसदी वोट शेयर के साथ तीसरे स्थान पर रही। कांग्रेस 6.31 फीसदी वोट शेयर ही हासिल कर पाई। यूपी चुनाव 2022 भी कांग्रेस और बसपा के लिए मुश्किलों भरा रहा है। उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बनाने वाली बसपा केवल 12.88 फीसदी वोट ही हासिल कर पाई। पार्टी को केवल एक सीट पर जीत मिली। विधानसभा में विलुप्त होने से तो पार्टी बच गई, लेकिन आधार वोट ही खो दिया।

फिर से 'सर्वजन' को साधने की फिराक में मायावती

कभी प्रदेश की प्रमुख राजनीतिक दल रही बसपा पिछले कुछ चुनावों से संघर्ष करती दिख रही है। इस साल हुए विधानसभा चुनावों में तो 'हाथी' अंडा देते-देते बच गया और बसपा के खाते में सिर्फ एक सीट आई। ऐसे में मायावती अब अपनी रणनीति में बदलाव करने की सोच रही हैं, ताकि एक बार फिर उनकी पार्टी प्रदेश की राजनीति में बढ़ सके। इसके लिए मायावती एक बार फिर अपनी 2007 की रणनीति पर विचार कर रही हैं। जहां वो बहुजन से सर्वजन तक पहुंची थीं और इसी का परिणाम था कि उन्हें 2007 के विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल हुई थी। तब बसपा के दलित, ओबीसी, मुस्लिम समीकरण के साथ ब्राह्मण वोट बैंक साथ आया। लेकिन, सरकार बनने के बाद ब्राह्मणों की उपेक्षा शुरू हुई। परिणाम 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा को घाटे के रूप में झेलना पड़ा। 2009 के लोकसभा चुनाव में यूपी की राजनीति में कांग्रेस करीब दो दशक बाद उभरी थी। केंद्र में मनमोहन सरकार की वापसी की राह यूपी से निकली। लगभग 18.2 फीसदी वोट शेयर के साथ कांग्रेस पार्टी ने 21 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2007 में हुए यूपी चुनाव में कांग्रेस को 19 फीसदी ब्राह्मण वोट मिले थे। महज दो साल बाद हुए चुनाव में पार्टी ने 31 फीसदी ब्राह्मण वोट हासिल किया। इस चुनाव में सपा को 23 और भाजपा को 10 सीटों पर जीत मिली थी। सत्ताधारी मायावती की पार्टी बसपा 20 सीटों पर जीत दर्ज कर तीसरे स्थान पर रही थी। ऐसे में बसपा एक बार फिर 2009 की रणनीति पर काम करने का विचार कर रही है।

बसपा-कांग्रेस को एक-दूसरे के सहारे की जरूरत

पार्टी की ये हालत देख कर अब मायावती काफी चिंतित हैं और वो एक बार फिर पार्टी को मजबूत बनाने में जुट गई हैं। इसके लिए मायावती लगातार जिला स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रही हैं। एक बार फिर दलित, ओबीसी, मुस्लिम समीकरण को साधने की कोशिश है। बसपा का मास्टरप्लान रेडी है। मायावती की हरी झंडी मिल चुकी है। इमरान मसूद जैसे पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेताओं को पार्टी ने जोड़कर अपनी रणनीति साफ कर दी है। हालांकि, मायावती को एक ऐसे साथी की जरूरत है, जो वोट बैंक को उनकी तरफ ट्रांसफर कराए। कांग्रेस यूपी में ब्राह्मण, ओबीसी और मुस्लिम वोट बैंक पर अपनी पकड़ रखती थी। इनके सहारे सत्ता की सीढ़ी चढ़ने की कोशिश करती थी। मायावती ने बहुजन वोट बैंक पर फोकस किया है। ऐसे में वह कांग्रेस के सहारे सवर्ण वोट बैंक को साधने की कोशिश कर सकती है। इन वोटों को गठबंधन के सहारे एक-दूसरे को ट्रांसफर कराने का प्रयास होगा।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2022 अलविदा कहने वाला है और 2023 मुंहाने पर खड़ा है। नए साल में सियासी गलियारों में भी कुछ नया होने की उम्मीद है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा भी नए साल में ही उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी। अपनी इस पूरी यात्रा के दौरान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राहुल गांधी मोहब्बत और भाईचारे की बात करते रहे हैं। अपनी इसी रणनीति के साथ अब राहुल यूपी में प्रवेश करेंगे, तभी राहुल ने अखिलेश यादव, मायावती, ओपी राजभर, जयंत चौधरी जैसे तमाम अन्य दलों के नेताओं को यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। राहुल की यात्रा 3 जनवरी को प्रदेश में एंट्री करेगी, ऐसे में इस यात्रा में कौन शामिल होगा कौन नहीं अभी ये तो साफ नहीं है। हालांकि, इस बीच ये खबर जरूर आ रही है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ अलग और नया होने वाला है। प्रदेश की राजनीति में लगभग एक ही पड़ाव पर खड़े दो प्रमुख दल बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस, अब एक साथ आकर एक-दूसरे का सहारा बनने की सोच रहे हैं। अब इस बात में कितनी सच्चाई है ये तो वक्त ही बताएगा।

दरअसल, जौनपुर से बसपा सांसद श्याम सिंह यादव के कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने पर इस तरह की खबरों ने जोर पकड़ा है। श्याम सिंह यादव भले ही कह रहे हैं कि उनका राहुल गांधी की ओर से निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होना व्यक्तिगत निर्णय था। लेकिन, राजनीतिक जानकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले एक बड़ा राजनीतिक बदलाव के रूप में इसे देख रहे हैं। श्याम सिंह यादव पहले से बसपा और कांग्रेस गठबंधन की बात करते रहे हैं। संकेत दिया है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों का गठबंधन हो सकता है। हालांकि, बसपा प्रमुख मायावती की ओर से कोई संकेत अभी तक नहीं आया है। नया साल यूपी में नए गठबंधन की उम्मीद और विपक्षी दलों के लिए कुछ नए सपनों के साथ आ रहा है। प्रदेश की राजनीति में दोनों दलों का हाल भी लगभग एक जैसा ही है और दोनों को सहारे की जरूरत भी है। ऐसे में सम्भव है कि ये संकेत वास्तविकता भी बन जाएं। ताजा संकेत निश्चित तौर पर प्रदेश के राजनीतिक माहौल को गरमाने वाले हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकार के गले की फांस अदालती फरमान

देश में आरक्षण समाप्ति की मांग लंबे समय से उठ रही है। इस मांग के समर्थन में एक वर्ग पुरजोर तरीके से अपनी आवाज भी उठा रहा है और इसके पक्ष में खड़े होने वालों की भीड़ भी बढ़ रही है। जिसका कहना है कि देश में सबको एक समान अधिकार हैं, तो फिर कुछ जातियों का सभी क्षेत्रों में जातीय आधार पर कोटा निर्धारित करने का कोई औचित्य नहीं है। इसके समर्थन में देश का एक तबका समय-समय पर आरक्षण खत्म करो का नारा देकर अपनी आवाज को अलग-अलग मोर्चों पर बुलंद भी कर रहा है। इस मुद्दे पर अक्सर पक्ष और विपक्ष में सड़क से सदन तक सियायत भी गरमाती है, मगर सांविधानिक बाध्यता के कारण आरक्षण विरोधियों की कोशिशें पूरी होती नहीं दिखती। दरअसल, इसकी एक बडी वजह यह भी है कि एक बड़ी आबादी भारत में ऐसी है जिसकी स्थिति अच्छी नहीं है। जो आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक आधार पर बहुत पिछड़ी है। इसमें बड़ा हिस्सा आदिवासी, दलित और ओबीसी वर्ग का है। सरकार इनके उत्थान और हितों को ध्यान में रखकर आरक्षण की प्रक्रिया को जारी रखे हुए है।

दरअसल, यह हकीकत भी है कि आजादी के 75 वसंत पूर्ण होने के बाद भी आदिवासी, दलित और ओबीसी वर्ग की कई जातियों के हालात अभी भी देश में बद से बदतर है। उनको अपने लिए दो वक्त की रोटी जुटाना के लिए भी रोज जंग लड़नी पड़ती है, तब कहीं जाकर वह अपना भरण-पोषण कर पाते हैं। इनके पिछड़ेपन को दूर करने के उद्देश्य से ही संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने ऐसे वर्गों के आरक्षण की बात रखी ताकि समाज के इन वर्गों का पिछड़ापन दूर हो सके और आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक स्तर पर इनको प्रतिनिधित्व मिले जिससे इसके जीवन स्तर में सुधार आ सके। मगर अब आरक्षण बनाए रखने के बजाए इसको हटाने की आवाज तेजी से उठने भी लगी है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ का फैसला इस परिपेक्ष्य में बहुत बड़ा माना जा रहा है। अदालत ने नगर निकाय चुनाव में ओबीसी यानी पिछड़ी जातियों के आरक्षण को इस आधार पर खत्म करने का फरमान सुनाया है कि सूबे की योगी सरकार का 2017 का ओबीसी रैपिड सर्वे मान्य नहीं किया गया। अदालत ने माना है कि सरकार ने रैपिड सर्वे सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित ट्रिपल टेस्ट के बगैर किया है। जब तक सरकार ओबीसी आयोग का गठन कर रैपिड सर्वे को ट्रिपल टेस्ट से नहीं कराएगी इसको मान्य नहीं किया जा सकता। यानी साफ तौर पर सरकार के स्तर पर आरक्षण के मामले में कोताही बरती गई है, जो सरकार के गले की फांस बन सकता है। हालांकि इसमें सुधार के दावे सरकार की ओर से होंगे, मगर ओबीसी वर्ग के बीच अब भरोसे का सवाल भी उठ सकता है। अगर इस मामले में विपक्ष ओबीसी का भरोसा जीतने में सफल होता है तो यह यह मोदी हो या योगी दोनों ही सरकार के लिए शुभ संकेत नहीं होगा।

“ पिछड़ेपन को दूर करने के उद्देश्य से ही संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने ऐसे वर्गों के आरक्षण की बात रखी ताकि समाज के इन वर्गों का पिछड़ापन दूर हो सके और आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक स्तर पर इनको प्रतिनिधित्व मिले जिससे इसके जीवन स्तर में सुधार आ सके। मगर अब आरक्षण बनाए रखने के बजाए इसको हटाने की आवाज तेजी से उठने भी लगी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोकना होगा चीन से बढ़ता आयात

डॉ अश्विनी महाजन

वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों में जहां भारत में चीन से आयात 68.46 अरब डॉलर था, वह 2022 के पहले नौ महीनों में 89.66 अरब डॉलर हो चुका है। वर्ष 2021 में चीन से कुल आयात 97.5 अरब डॉलर था और अगर आयातों की यही गति रही, तो आंकड़ा इस वर्ष 120 अरब डॉलर पहुंच जायेगा। यूं तो आयात-निर्यात एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन चीन से बढ़ते आयात इस कारण चिंता का सबब बनते हैं, क्योंकि इससे व्यापार घाटा बढ़ता है और देश की विदेशी मुद्रा की देनदारी भी। इस वर्ष के पहले नौ महीनों में चीन को किये कुल निर्यात मात्र 13.97 अरब डॉलर थे यानी 75.69 अरब डॉलर का व्यापार घाटा। माना जा रहा है कि वर्ष पूर्ण होने तक चीन से व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो एक रिकॉर्ड होगा। बढ़ते आयातों के कारण भारत की चीन पर बढ़ती निर्भरता के मद्देनजर सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत विभिन्न उपाय अपनाये हैं। सर्वप्रथम 14 उद्योगों को चिह्नित किया गया, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण, थोक दवाएं, टेलिकॉम उत्पाद, खाद्य उत्पाद, एसी, एलइडी, उच्च क्षमता सोलर पीवी मॉड्यूल, ऑटोमोबाइल और ऑटो उपकरण, वस्त्र उत्पाद, विशेष स्टील, ड्रोन इत्यादि शामिल थे।

बाद में सेमी कंडक्टर को भी इसमें जोड़ा गया। ये वे उद्योग थे, जो अधिकांशत: पिछले 20 वर्षों में चीन से बढ़ते आयातों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने के कारण बंद हो गये थे या बंदी के कगार पर थे। चीन द्वारा हिंसक कीमतों पर डंपिंग, चीन सरकार की निर्यात सब्सि डी और तत्कालीन सरकार की असंवेदनशील नीति के तहत आयात शुल्कों में लगातार कमी ने चीनी आयातों को भारत में स्थान बनाने में सहयोग दिया। आज जब भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के तहत पीएलआइ स्कीम, तकनीकी सहयोग और विभिन्न उपायों के माध्यम से बंद हो चुके या बंदी के कगार पर खड़े उद्योगों को नया जीवन प्रदान करने की कोशिश कर रही है, फिर क्या कारण है कि चीनी आयात बढ़ते ही जा रहे हैं। देखा जा रहा है कि चीनी इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल मशीनरी एवं उसके कल-पुर्जे और मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात अधिक तेजी से बढ़ रहे हैं।

सरकारी तर्क यह है कि चूंकि चीन से आयात अधिकांश मध्यवर्ती वस्तुओं में है, इसलिए यह एक अच्छा संकेत है और देश में बढ़ते मैनुफैक्चरिंग की ओर इंगित करता है। यह भी तर्क दिया जाता है कि इन मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात पर मूल्य संवर्धन से देश में रोजगार का

निर्माण भी होता है। कहा जाता है कि चूंकि ये वस्तुएं सस्ते दामों पर आती हैं, इसलिए उत्पादन लागत भी कम हो जाती है। इस तर्क के आधार पर इकरियर और भूमंडलीकरण समर्थक अन्य आर्थिक संगठन चीन से बढ़ते आयातों को गलत न मानते हुए, उन पर आयात शुल्क घटाकर उन्हें और बढ़ावा देने की पैरवी करते हैं। गौरतलब है कि चीन से आन`वाले आयातों का एक बड़ा हिस्सा तैयार उपभोक्ता वस्तुओं का नहीं, बल्कि मशीनरी और रसायन समेत अन्य मध्यवर्ती वस्तुओं का है। क्या इन्हें बनाने का सामर्थय भारत में नहीं है? एक देश जो अंतरिक्ष, सॉफ्टवेयर, ऑटोमोबाइल, मिसाइल समेत कई क्षेत्रों में सुपर पावर है, वो जीरो टेक्नॉलजी की मध्यवर्ती वस्तुएं नहीं बना सकता, यह समझ के परे है। चीन द्वारा सस्तेमाल की डंपिंग और कई अन्य अनुचित हथकंडे अपना कर भारत में क्षमता निर्माण को बाधित किया गया है। यह षड्यंत्र रूक नहीं रहा है। कहा जाता है कि व्यापार एक युद्ध है और उसे उसी प्रकार संचालित किया जाना चाहिए। इस संबंध में एक्टि व फार्मास्युटिकल इनग्रेडियंट (एपीआई) का एक ज्वलंत उदाहरण है। आज से 20 वर्ष पूर्व हमारी एपीआइ आवश्यकताओं की 90 प्रतिशत आपूर्ति भारत से ही होती थी, जबकि चीन और अन्य देशों की डंपिंग के कारण एपीआइ उद्योग नष्ट हुआ और आज इसकी 90 प्रतिशत आपूर्ति आयात से होती है। हमारे दवा उद्योग की इतनी बड़ी निर्भरता केवल आर्थिक ही नहीं, स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा साबित हो रही है। पीएलआइ के साथ सरकार को अन्य उपाय भी अपनाने होंगे, ताकि भविष्य में चीनी आयात नये बन रहे एपीआइ उद्योग को नष्ट न कर सके। यहां सवाल केवल चीन से आने वाले प्रत्यक्ष आयातों का ही नहीं है। देश में बड़ी मात्रा में चीनी आयात विभिन्न आसियान देशों के माध्यम से भी होकर आ रहे हैं।

भारत का आसियान देशों से मुक्त व्यापार समझौता है, जिसके तहत शून्य आयात शुल्क पर अधिकांश आयात आते हैं। मूल देश की शर्त लगातार जब चीनी आयातों को रोका गया, तो चीनी कंपनियों ने अपनी फैक्ट्रियां आसियान देशों में ही लगा लीं, जिसके कारण उन्हें चीनी बता कर रोका नहीं जा सकता। भारत में कार्यरत कई विदेशी ऑटो मोबाइल कंपनियां भी कल-पूर्जे विदेशों से मंगा रही हैं।

लोकतंत्र एक बेहतर विकल्प क्यों है?

सचिन कुमार जैन

लोकतंत्र शासन व्यवस्था के उपलब्ध तरीकों में से एक बेहतर विकल्प माना जाता है क्योंकि यह बुनियादी मानवीय मूल्यों के आधार पर पनपता है। जब भारत आजाद हुआ, तब भी सबसे प्रभावी विकल्प तो राजशाही की व्यवस्था के रूप में सामने खड़ा था। हजारों साल से भारत ने वही व्यवस्था देखी-भोगी थी। लेकिन उस व्यवस्था से भारत ने यह सीखा था कि अगर सौभाग्यवश अच्छा राजा मिल गया तो प्रजा की सुनवाई होगी, नहीं तो राजा अपने भोग-विलास में लीन रहेगा और प्रजा का शोषण करता रहेगा। जनता को कभी भी अपना राजा 'चुनने' का अधिकार नहीं मिला था। ब्रिटिश उपनिवेशवाद के अनुभवों ने यह तो सिखा ही दिया था कि प्रजा थोड़ी या ज्यादा गुलाम ही रहती है, फिर भले किसी भारतीय राजा का शासन हो या फिर ब्रिटिश सम्राट का शासन। तब भारत ने लोकतंत्र की व्यवस्था को चुना। ऐसी व्यवस्था जिसमें सरकार लोगों को गुलाम बनाने के लिए शासन नहीं करती है, बल्कि उसे व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दी जाती है।

लोकतंत्र का मतलब होता है जवाबदेहिता के साथ समाज के हित में समाज के साथ मिलकर निर्णय लेना और उन्हें लागू करना। वैसे तो देश चलाने के लिए कई तरह की व्यवस्थाओं के विकल्प मौजूद रहे हैं। लेकिन उन सबमें लोकतंत्र को सबसे बेहतर व्यवस्था माना गया है क्योंकि इस व्यवस्था में अलग-अलग विचारों, मतों, परिस्थितियों को ध्यान में रख कर निर्णय लिए और लागू किए जाते हैं। यह केवल संख्याओं या बहुमत से चलने वाली व्यवस्था नहीं है। बहुमत के निर्णय को लागू करने से पहले यह देखना होता है कि व्यापक समाज के हित में क्या है? कहीं इससे अन्याय तो नहीं हो रहा है? कहीं किसी के साथ भेदभाव या शोषण तो नहीं हो रहा है? लोकतंत्र में मूल्यों, उसूलों, मानकों का सबसे ज्यादा महत्व होता है। अगर बहुमत वाली व्यवस्था मूल्यों से भटक कर निर्णय लेने लगे, तो परिवार, समाज और देश की बहुत नुकसान पहुंचता है। यदि कोई राजनीतिक दल बहुत सारे बहुमत से सरकार चलाने की जिम्मेदारी लेता है तो इसका मतलब यह तो नहीं होता कि वह देश में औद्योगिकीकरण के लिए ज्यादा से ज्यादा खेती की जमीन का अधिग्रहण कर ले या जंगलों और पहाड़ों की नीलामी कर दे। यह महज राजनीतिक दृष्टिकोण नहीं है, यह नैतिक दृष्टिकोण भी है क्योंकि प्राकृतिक संपदाएं कुछ खास लोगों की ही संपत्ति नहीं होती हैं, बल्कि ये तो केवल इंसानी समाज की संपत्ति भी नहीं होती हैं। ये सभी जीवों की संपत्ति होती हैं। बहुमत की सरकार होने से राजनीतिक दलों को जिम्मेदारी, जवाबदेहिता और मूल्यों का त्याग कर देने का विशेष अधिकार हासिल नहीं होता है। अगर कोई यह पूछे कि क्या वास्तव में लोकतंत्र सभी को साथ लेने की गारंटी देता है? तब यह तो नहीं ही कहा जा सकता है कि यह व्यवस्था ऐसी कोई गारंटी दे सकती है। लेकिन उपलब्ध व्यवस्थाओं में यह सबसे ज्यादा गारंटी देने वाला विकल्प जरूर है। इसे समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम लोकतंत्र के कुछ बुनियादी सिद्धांतों को जानें। वही लोकतंत्र ज्यादा से ज्यादा गारंटी दे सकता है, जिसमें हर स्तर पर सहभागिता के साथ जवाबदेहिता होती है, जिसमें तर्क और पक्ष के साथ नैतिकता और वैधता भी होती है, जिसमें स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का दबाव भी होता है। जिसमें विवेक, तर्क और बहस के साथ बंधुता, न्याय, समता, गरिमा के संस्कार भी होते हैं। अगर यह समीकरण पूरा न हो, तो लोकतंत्र की इमारत की दीवारें कमजोर होती जाती हैं। लोकतंत्र की व्यवस्था का विकल्प अपनाने के मूल में यह सीख है कि डंडे, हिंसा, दबाव या अपमान से हासिल की गई सत्ता तभी तक बनी रह पाती है, जब तक कि दूसरों को ये विकल्प लागू करने के मौके न मिल जाएं। दबाव और हिंसा की राजनीति व्यवस्था में लोगों के विश्वास को तोड़ देती हैं। लोकतंत्र में देश-समाज के लोग अपना योगदान देते हैं, अपनी जिम्मेदारी को महसूस करते हैं, उन्हें किसी दिशा में धकियाने की जरूरत नहीं पड़ती है। लोकतंत्र में व्यक्ति निष्पक्ष नहीं होता है। उसकी अपनी भूमिका और पक्ष भी होता है। जब अन्याय हो, जब कुछ ऐसा हो रहा हो, जिससे समाज में शोषण, असमानता या वैमनस्यता फैलती हो, तब व्यक्ति को निष्पक्ष नहीं रहना चाहिए। उसे सत्य, न्याय और बंधुता का पक्ष लेना चाहिए और अन्याय, हिंसा और समाज को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों का प्रतिकार करना चाहिए। लोकतंत्र का सिद्धांत व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, तो साथ ही सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तय करता है। जब भारत आजाद हुआ, तब संविधान बनाने वालों ने लोकतंत्र की व्यवस्था को क्यों चुना? क्योंकि उन्हें पता था कि जितनी विविधता भारत में है, उतनी संभवत: दुनिया के किसी और देश में नहीं है। इस विविधता को सजाने-संवारने और सबके मिलजुल कर रहने के लिए लोकतंत्र ही सबसे बेहतर व्यवस्था मानी गई। हम अक्सर कहते हैं कि देश-दुनिया में विकास हो रहा है। इसका मतलब यह है कि अब ज्यादा लोग शिक्षा पा रहे हैं, दुनिया के बारे में, दूसरे विचारों के बारे में ज्यादा जान रहे हैं, अब ज्यादा बहस और नवाचार हो रहे हैं। स्वाभाविक रूप से इसका मतलब है कि इन बदलावों से लोग ज्यादा तार्किक भी हो रहे हैं। जब समाज तार्किक होता है, तब केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही समाज का संचालन और व्यवस्थापन किया जा सकता है। तब कोई अन्य पद्धति नहीं चल सकती है।

बच्चों के सर्दी-जुकाम का कर सकता है इलाज

ठंड में दवा की तरह काम करता है सूप

ठंड के मौसम में शरीर को गरमाई और न्यूट्रिशियन देने के लिए सूप सबसे आसान और बेहतरीन तरीका है। आप बेबी को भी सूप पिलाकर उसके शरीर को हाइड्रेट रख सकते हैं। सर्दी के महीनों में खासतौर पर सूप पिए जाते हैं क्योंकि ये शरीर को गरमाई देने का काम करते हैं। आप शिशु के आहार में भी सूप को शामिल कर सकते हैं। ये बच्चे को गरमाई देने के साथ-साथ उसे हाइड्रेट भी रखते हैं और पर्याप्त पोषण प्रदान करते हैं। सूप में बेबी के विकास के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे कि खनिज पदार्थ, कैल्शियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। दाल, सब्जियों, चावल और अनाजों से बने सूप बेबी के विकास में काफी मदद करते हैं। ये पचाने में काफी आसान होते हैं और बेबी के शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं। आप अपने बच्चे को 6 महीने का होते ही चिकन देना शुरू कर सकती हैं। इस लेख में, हमने बच्चों के लिए सर्दियों के सूप के फायदे और दो सूप रेसिपी के बारे में बताया है।

वेजिटेरियन विंटर सूप

सामग्री - 1 कप कटे हुए पालक के पत्ते, नमक स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच पनीर। इसे बनाने के लिए आप पालक के पत्तों में नमक डालकर कुछ मिनट के लिए इसे उबालें। ठंडा होने के बाद इन्हें ब्लेंडर में पीस लें। परोसने से पहले प्यूरी को गर्म करें। यदि आप कोई बदलाव करना चाहते हैं, तो आप पालक के नरम स्वाद को छिपाने के लिए आलू, दाल, मकई के दाने और पनीर मिला सकते हैं।

नॉन वेजिटेरियन विंटर सूप

इसके लिए आपको चिकन पीस, जीरा, धनिया के बीज, मसला हुआ अदरक, लहसुन कटा हुआ, प्याज कटा हुआ, टमाटर और हल्दी पाउडर चाहिए। सबसे पहले एक कुकर में घी डालें, जीरा डालें और इसे फूटने दें। इसके बाद धनिया के बीज डालें। लहसुन और अदरक डालकर कुछ मिनटों के लिए भूनें। प्याज को पारदर्शी होने तक भूनें। टमाटर डालकर नरम होने तक भूनें। मिश्रण में थोड़ा हल्दी पाउडर मिलाएं। एक बार चिकन डालने के बाद, एक मिनट के लिए तब तक भूनें जब तक कि पानी उड़ न जाए। इसके बाद 2 कप पानी डालकर 2 से 3 सीटी आने तक पकाएं।

आठ की उम्र से बेबी को पिलाएं सूप

आठ की उम्र के बेबी को सूपी पिलाया जा सकता है। आठ महीने से कम उम्र के बच्चे को यह सूप छानने के बाद दिया जा सकता है। 8 महीने से कम उम्र के शिशुओं को नॉन वेजिटेरियन और वेजिटेरियन के सूप ना पिलाएं। सूप की कैलोरी और पोषक तत्व बच्चों का वजन बढ़ने में मदद करते हैं। चावल, दाल और नूडल सूप बच्चे के आहार में कैलोरी और पोषक तत्वों की मात्रा को बढ़ाने का काम करते हैं।

खांसी और जुकाम से राहत

बीमार बच्चे को सर्दी, जुकाम, खांसी, छाती में कफ जमने और बुखार से राहत दिलाने का सबसे असरकारी तरीका है एक कटोरी गर्म सूप पिलाना। लहसुन, मिर्च और हल्दी का सूप खांसी और पाचन विकारों का इलाज करने में कारगर होता है। वहीं तुलसी के पत्ते के साथ टमाटर का सूप भी जुकाम और खांसी का इलाज कर सकता है।

हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूँ रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहीये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले,मीठा खाना चाहिए।

इंग्लिश ग्रामर की टीचर: आज हम नाउन पढ़ेंगे, टीचर: लड़की सबसे हंस के बात करती है, इसमें लड़की क्या है? पप्पू: मैडम जी वो लड़की बिगड़ी हुई है, किसी लड़के के चक्कर में पड़ी है।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी से: अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी: 'पागल' अगर तुझे पता चले..अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोशी हैं, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि, बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हुं, पर भगवान नहीं मान रहे।

कहानी | बैल और शेर

एक जंगल में तीन बैल रहा करते थे। तीनों मित्र घास चरने के लिए जंगल में एक साथ ही जाया करते थे। जंगल में एक शेर भी रहता था। शेर की कई दिनों से इन तीनों बैल पर नजर थी। उसने कई बार बैलों पर आक्रमण भी किया, लेकिन बैलों की आपसी मित्रता के कारण वो कभी सफल नहीं हो पाया। जब शेर उन पर हमला करता था, तो तीनों बैल त्रिकोण बनाकर अपने नुकीले सींगों से अपनी रक्षा करते थे। लेकिन शेर कैसे भी करके उन तीनों को खाना चाहता था। शेर यह समझ गया था कि जब तक ये तीनों साथ रहेंगे, इन्हें मारा नहीं जा सकता है। शेर ने बैलों को अलग करने के लिए जंगल में एक अफवाह उड़ा दी। अफवाह यह थी कि इन तीनों बैलों में से एक बैल अपने साथियों को धोखा दे रहा है। बस फिर क्या था, बैलों के बीच इस बात को लेकर शक बैठ गया कि आखिर वो कौन है, जो हमें धोखा दे रहा है? एक दिन इसी बात को लेकर तीनों बैलों में झगड़ा हो गया। अब तीनों बैल अलग-अलग रहने लगे थे। उनकी दोस्ती टूट चुकी थी। अब वो अलग-अलग होकर जंगल में चरने जाने लगे थे। शेर ने एक दिन उन तीनों बैलों में से एक पर हमला बोल दिया। अकेले पड़ जाने की वजह से वह बैल शेर का मुकाबला नहीं कर पाया और शेर ने उसे मार डाला। कुछ दिनों के बाद शेर ने दूसरे बैल पर भी हमला कर दिया और उसे मारकर खा गया। अब सिर्फ एक बैल बचा था। वह समझ गया था कि शेर अब उसको भी मार डालेगा। वह अकेले शेर का मुकाबला नहीं कर सकता था। एक दिन जब वह जंगल में घास चरने गया था, तो शेर ने उसे भी अपना शिकार बना लिया। शेर की चाल पूरी तरह कामयाब हुई और उसने तीनों बैलों की दोस्ती तोड़कर उन्हें अपना शिकार बना लिया था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपका सबसे बड़ा सपना हकीकत में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज्यादा खुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है।

वृषभ

नफरत को दूर करने के लिए संवेदना का स्वभाव अपनाएं, क्योंकि नफ़रत की आग बहुत ज्यादा ताक़तवर है और मन के साथ शरीर पर भी बुरा असर डालती है।

मिथुन

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए।

कर्क

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाकात हो सकती है।

सिंह

बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएं हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा।

कन्या

आपकी ओर से समर्पित दिल और बहादुरी का जज्बा आपके जीवन-साथी को खुशी दे सकता है। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है।

तुला

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा।

वृश्चिक

आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों को खुश रखेगा। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें।

धनु

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिससे आपको तनाव और बेचैनी हो सकती है। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा।

मकर

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय खासा ख़याल रखने की जरूरत है। अपने खर्चों पर काबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें।

कुम्भ

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। उधार मांगने वाले लोगों को नजरअन्दाज़ करें। आपका बेपनाह प्यार आपके प्रिय के लिए बेहद कीमती है।

मीन

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मजबूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे।

दगाबाज दोस्तों पर भड़कीं रानी चटर्जी

बॉलीवुड | मसाला

रानी चटर्जी अपने बड़बोले बयानों के लिए मशहूर हैं। रानी चटर्जी कभी भी अपने दिल की बात दर्शकों से छुपाए नहीं रखती। एक्ट्रेस के दिल में जो कुछ भी होता है वह खुले दिल के साथ अपना हाल बयां कर देती हैं। रानी चटर्जी ने हाल ही में अपने नकली दोस्तों के लिए एक पोस्ट साझा किया है। रानी चटर्जी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए फेक फ्रेंड्स को लताड़ लगाई है, जो उनके पीठ पीछे उनकी बुराई करते पकड़े गए हैं।

रानी चटर्जी ने इंस्टा पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा कि -मैं हमेशा से उस शख्स के लिए अच्छी दोस्त बनकर खड़ी रही हूं जिसे मैं अपना अच्छा दोस्त मानती थी, मैंने उनके सीक्रेट छुपाए हैं मैंने उनको मोटिवेट किया है। पर उन दोस्तों ने मेरे साथ क्या किया...उन्होंने मेरे बारे में वह बातें फैलाई जो की झूठी हैं, उन्होंने मुझे वह ठहराया जो कि मैं नहीं हूं.. वह मेरे काम से जलते रहे, और लोगों को मेरे बारे में गलत-गलत बातें बताते रहे वह भी इस कॉन्फिडेंस के साथ कि सामने वाले को भी यकीन हो जाए, शायद इसी वजह से वो बेनाम जिंदगी जी रहे हैं।

रानी चटर्जी इस पोस्ट में आगे लिखती हैं कि-अब से मैंने सीख लिया है मैं वह बिल्कुल भी वह चीज नहीं करूंगी जो मुझे नहीं करना है। मुझे अपनी लाइफ में अब से ऐसे हाइपोक्रेट्स नहीं चाहिए 2022...रानी चटर्जी इस पोस्ट में किस दोस्त की बात कर रही हैं यह तो मालूम नहीं लेकिन पोस्ट से ये बात जाहिर है की रानी चटर्जी अपने फेक दोस्तों से काफी खफा हैं।

गांधी-गोडसे एक युद्ध का मोशन पोस्टर रिलीज

राजकुमार संतोषी 9 साल के बाद फिल्म गांधी-गोडसे एक युद्ध के साथ वापसी कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया गया है। फिल्म का कुछ सेकेंड का टीजर सामने आया है। जिसमें रिलीज डेट के बारे में बताया गया है।

सोशल मीडिया पर फिल्म का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में गोड़से और गांधी के बीच, संवाद सुना जा सकता है। वहीं कुछ फोटोज भी दिखाई जाती है। फिल्म के टाइटल और डेट के अलावा कुछ रिवील नहीं किया गया है। गांधी-गोडसे एक युद्ध की बीडियो करें तो इसे संतोषी प्रोडक्शंस और पीवीआर पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म 26 जनवरी 2023 को रिलीज होने वाली है।

राजकुमार संतोषी की आखिरी फिल्म 'फटा फोस्टर निकाल हीरो साल 2013 में रिलीज हुई थी। इसमें शाहिद कपूर लीड रोल में नजर आए थे। अब वह इस फिल्म से फिर धमाल मचाएंगे। फिल्म के टाइटल से ही पता चलता है कि फिल्म गांधी और नाथुराम गोडसे पर बेस्ड हैं। गोडसे ने 30 जनवरी 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद गोडसे को 15 नवंबर 1949 को फांसी दे दी गई। दोनों के बीच विचारों का मतभेद था। फैंस फिल्म का फर्स्ट लुक देख काफी एक्साइटेड हो गए हैं। राजकुमार संतोषी इंडस्ट्री के जाने माने चेहरे हैं। साल 1990 में राजकुमार ने अपनी पहली फिल्म घायल बनाई थी। ये फिल्म उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने बरसात, दामिनी, अंदाज अपना अपना, चाइना गेट, अजब प्रेम की गजब कहानी, फटा पोस्टर निकला हीरो जैसी फिल्मों का निर्माण कर फैंस का दिल जाता।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने बर्थडे पर अगली फिल्म का अनाउंसमेंट करेंगे यश

केजीएफ स्टार यश आज भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारे के रूप में उभरे हैं। केजीएफ चैप्टर 1 और 2 की सफलता के बाद, सभी की निगाहें उनकी अगली फिल्मों पर हैं। अब यश ने मीडिया से अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर बात की है। हालांकि उनका मानना है कि वो इसे लो प्रोफाइल ही रखना चाहते हैं। वहीं फैंस उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर धमाल करते देखना चाहते हैं। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान यश ने केजीएफ-चैप्टर 2 की रिलीज के बाद नई फिल्म को धीमा रखने के बारे में बात की। एक्टर ने अपने फैंस से धैर्य रखने का भी अनुरोध किया, क्योंकि वे बेसब्री से इसकी घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि रिपोर्ट्स का कहना कि एक्टर के बर्थडे पर उनकी अगली फिल्म की अनाउंसमेंट हो सकती है। बातचीत के दैरान जब यश से पूछा गया कि केजीएफ- 2 की सफलता का जश्न मनाने से उन्होंने परहेज क्यों किया। उन्होंने कहा, मैं बाहर जाकर अपने बारे में ही बात करूं, ये सब मुझे पसंद नहीं। एक कहावत है,यदि आप राजा हैं, और उसके बाद भी लोगों को बताने पड़े की आप राजा, तो आप असली राजा नहीं है। कोई भी व्यक्ति जो सफल है, या जीवन में बहुत अच्छा कर रहा है, मुझे नहीं लगता कि वह बाहर जाकर यह दिखाता है कि वे सफल हैं। बता दें कि यश पिछली बार प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी केजीएफः चैप्टर 2 में नजर आए थे। फिल्म ने 300 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश किया। दो सुपर हिट भागों केजीएफ- 1 और 2 के बाद, तीसरे भाग में यश फिर से रॉकी भाई के रूप में दिखेंगे, क्योंकि निर्माताओं ने केजीएफ 3 की आधिकारिक घोषणा पहले ही कर दी है।

भगवान विष्णु का भक्त था मगरमच्छ रहता था मंदिर में, खाता था सिर्फ प्रसाद

मगरमच्छ एक मांसाहारी प्राणी होता है और इसके जबड़े में फंसने के बाद शिकार का बचना लगभग नामुमकिन होता है। मगरमच्छ के हमले के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे लेकिन क्या आपने कभी शाकाहारी मगरमच्छ के बारे में सुना है। जी हां एक ऐसा मगरमच्छ भी था, जो पूरी तरह से शाकाहारी था और सिर्फ प्रसाद खाकर ही जीवित रहता था। इस मगरमच्छ का नाम बाबिया था। यह मगरमच्छ एक मंदिर में रहता था। इसी साल अक्टूबर में उसका देहांत हो गया। यह शाकाहारी मगरमच्छ बाबिया केरल के श्री आनंदपद्मनाभ स्वामी मंदिर में रहता था। यह मगरमच्छ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 70 साल से मुख्य आकर्षण का केंद्र था। मंदिर के पुजारियों के अनुसार, दिव्य मगरमच्छ अपना अधिकांश समय गुफा के अंदर बिताता था और दोपहर में बाहर निकलता था। वह किसी जीव जन्तु को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता था। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, बाबिया दिन में दो बार परोसे जाने वाले मंदिर के प्रसादम को खाकर ही रहता था। इसलिए उसे शाकाहारी मगरमच्छ कहा जाने लगा। मान्यता है कि सदियों पहले एक महात्मा इसी श्री आनंदपद्मनाभ स्वामी मंदिर में तपस्या करते थे। इस दौरान भगवान कृष्ण बालक का रूप धरकर आए और अपनी शरारतों से महात्मा को तंग करने लगे। इससे गुस्साए तपस्वी ने उन्हें मंदिर परिसर में बने तालाब में धक्का दे दिया। लेकिन जब ऋषि को गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने तालाब में उस बच्चे को खोजा, लेकिन पानी में कोई नहीं मिला और एक गुफानुमा दरार दिखाई दी। माना गया कि भगवान उसी गुफा से गायब हो गए थे। कुछ समय बाद उसी गुफा से निकलकर एक मगरमच्छ बाहर आने लगा। मगरमच्छ बाबिया तालाब में रहने के बावजूद मछलियां और दूसरे जलीय जीवों को नहीं खाता था। दिन में दो बार वह भगवान के दर्शन करने निकलता था और भक्तों को बांटे जाने वाले चावल और गुड़ के प्रसादम को खाकर रहता था। बाबिया ने आजतक किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया और वह मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की ओर से दिए गए फल इत्यादि शांति से खा लेता था। फिर पुजारी के इशारा करते ही तालाब में बनी गुफानुमा दरार में जाकर बैठ जाता था।

अजब-गजब | पूरे साल बर्फ से ढकी रहती है पैंगोंग झील

दिन में कई बार झील बदलती है रंग

पूरी दुनिया में लाखों की संख्या में झील हैं हर झील की अपनी-अपनी खासियत होती है इसी लिए उनके बारे में लोग जानना और पढ़ना पसंद करते हैं। आज हम आपको एक ऐसी झील के बारे में बताने जा रहे हैं। जो पूरे साल बर्फ से तो ढकी ही रहती है बल्कि एक दिन में कई बार रंग भी बदलती है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं भारत और तिब्बत में फैली पैंगोंग झील की।

जिसे दुनिया की सबसे बड़ी और अनोखी झीलों में से एक माना जाता है। इस झील को पांगोंग त्सो भी कहा जाता है। हिमालयी क्षेत्र में बसी ये एक मात्र झील है। समुद्र तल से करीब 4500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ये झील करीब 135 किलोमीटर लंबी है। ये झील करीब 604 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है।

पैंगोंग झील की चौड़ाई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ये सबसे विस्तारित बिन्दु पर भी छह किलोमीटर चौडी है। खारे पानी की इस झील की सबसे खास बात ये है कि यह शीत ऋतु में पूरी तरह जम जाती है, जिसके बाद आप अगर आप इस पर गाड़ी भी चलाते हैं तो या आइस स्केटिंग या फिर पोलो खेलते हैं तब भी नहीं टूटती।

पैंगोंग झील की चौड़ाई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ये सबसे विस्तारित बिन्दु पर भी छह किलोमीटर चौडी है। खारे पानी की इस झील की सबसे खास बात ये है कि यह शीतऋतु में पूरी तरह जम जाती है, जिसके बाद आप अगर आप इस पर गाड़ी भी चलाते हैं तो या आइस स्केटिंग या फिर पोलो खेलते हैं तब भी नहीं टूटती। हालांकि ऐसे करने के लिए पहले आपको विशेष से इजाजत लेनी पड़ती है। ये झील 45 किलोमीटर भारत के लद्दाख और 90 किलोमीटर तिब्बत में फैली हुई है।

माना जाता है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा इस झील के मध्य से होकर गुजरती है। हालांकि इसकी सटीक स्थिति को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। अगर इस झील के पीना के बारे में बात करें तो इसका पानी इतना खारा है कि इसमें मछली या फिर अन्य कोई जलीय जीव भी नहीं पाया जाता। हालांकि कई प्रवासी पक्षियों के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण प्रजनन स्थल है। इस झील का औसत तापमान माइनस 18 डिग्री से माइनस 40 डिग्री के बीच बना रहता है। ऐसा माना जाता है कि यह झील दिन में कई बार अपना रंग बदलती है, जिसके पीछे की वजह पानी में आयरन की मौजूदगी बताई जाती है। बताया जाता है कि साल 1962 के युद्ध के दौरान यही वो जगह थी, जहां से चीन ने अपना मुख्य आक्रमण शुरू किया था। भारतीय सेना ने भी चुशूल घाटी के दक्षिण-पूर्वी छोर के पहाड़ी दर्रे रेजांग ला से वीरतापूर्वक युद्ध लड़ा था।

बता दें कि पिछले कुछ सालों में चीन ने पैंगोंग झील के अपनी ओर के किनारों पर सड़कों का निर्माण भी किया है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, यह झील यक्ष राज कुबेर का मुख्य स्थान है। ऐसा माना जाता है कि भगवान कुबेर की दिव्य नगरी इसी झील के आसपास कहीं स्थित है। इसका उल्लेख रामायण और महाभारत में मिलता है।

जमीन से आसमान तक 'यात्रा' पर ब्रेक

कोहरे के कारण आज निरस्त रहेंगी 279 ट्रेनें, 100 से अधिक हवाई उड़ानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में इन दिनों शीतलहर चल रही है। तापमान तेजी से लुढ़क गया और घना कोहरा छाया हुआ है। घने कोहरे के कारण मंगलवार को राजधानी दिल्ली में कई जगहों पर दृश्यता 50 मीटर तक रह गई। इससे दिल्ली आने-जाने वाली 15 ट्रेनें देर से चलीं, जबकि दो के टाइम में बदलाव करना पड़ा।

1.0
डिग्री सेल्सियस कम रहा सामान्य से न्यूनतम तापमान

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोहरे व कम दृश्यता के कारण करीब 100 उड़ानों पर असर पड़ा। दो विमानों को जयपुर भेजा गया। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार मंगलवार तड़के स्पाइसजेट और इंडिगो की दो उड़ानों को जयपुर भेजा गया। इस सीजन में पहली बार उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। लेकिन न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि, हवा के मंद पड़ने और चटख धूप के चलते राजधानीवासियों और आसपास के इलाकों में रहने वालों को भीषण सर्दी से कुछ राहत मिली है।

न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, अधिकतम तापमान भी 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिल्ली में सोमवार इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा।

कल बर्फबारी का अनुमान

पश्चिमी विक्षोभ के चलते 29 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर, लेह और हिमाचल में बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तर पंजाब में कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हो सकती है। तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके चलते लोगों को 31 दिसंबर और 1 जनवरी को एक बार फिर भीषण शीतलहर का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली में 4 डिग्री पर पहुंचा पारा उत्तर भारत में सितम ढहा रही सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सितंबर में सर्दी सितम ढहा रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान और दिल्ली में अभी कड़ाके की ठंड जारी रहेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि इस दौरान इन इलाकों में कहीं घना तो कहीं बहुत घना कोहरा भी छाया रहेगा। दिल्ली की सुबह आज भी बेहद सर्द रही है। राजधानी में भीषण शीतलहर की स्थिति बनी हुई है और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी समेत उत्तर भारत के अधिकांश शहर बुधवार को भी पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं से कांपते रहे। दिल्ली समेत पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश अगले 24 घंटे तक शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में रहेंगे। इसके बाद एक-दो दिन थोड़ी राहत की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने कहा कि अगले दो दिन उत्तर भारत के अधिकतर इलाकों में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के चलते 29 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर, लेह और हिमाचल में बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तर पंजाब में कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हो सकती है। तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके चलते लोगों को 31 दिसंबर और 1 जनवरी को एक बार फिर भीषण शीतलहर का सामना करना पड़ेगा। उधर, दिल्ली का आयानगर सबसे ठंडा रहा और 4 डिग्री तक न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ। रिज में 4.4 व मुंगेशपुर में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, राजस्थान के कई इलाकों में भीषण ठंड है। चुरू, सीकर, पिलानी, नागौर समेत राजस्थान के कई इलाकों में भीषण सर्दी रही। हालांकि, चुरू में तापमान कुछ बढ़के 0.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा, सोमवार को तापमान शून्य डिग्री था। सीकर में 1.5. पिलानी में 1.9 और नागौर में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

भारत के मूल सिद्धांतों पर लगातार हमले हो रहे: खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आज अपना 138वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर राजधानी स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झंडा फहराया। इस दौरान कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। खरगे ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी को समावेशी बनाने के लिए युवाओं, महिलाओं, वंचित तबकों और बुद्धिजीवियों को हमारे साथ जोड़ना होगा।

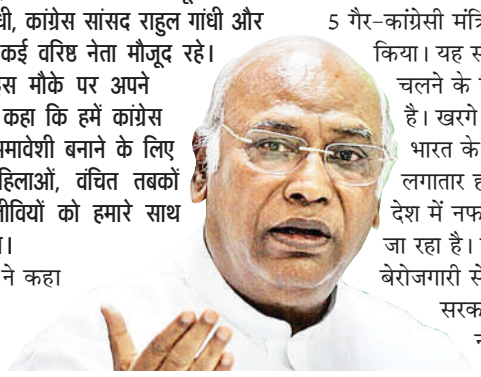

खरगे ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से देशभर में करोड़ों कार्यकर्ताओं को संजीवनी मिली है। कांग्रेस ने दलितों, गरीबों की बेड़ियों को तोड़ने का साहस किया है। कहा कि लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में 5 गैर-कांग्रेसी मंत्रियों को नियुक्त किया। यह सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत को दर्शाता है। खरगे ने आगे कहा कि भारत के मूल सिद्धांतों पर लगातार हमले हो रहे हैं। पूरे देश में नफरत का गढ्ढा खोदा जा रहा है। जनता मंहगाई, बेरोजगारी से परेशान है लेकिन सरकार को कोई परवाह नहीं है।

लल्लू को उत्तराखंड, तिवारी को मध्य प्रदेश की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक अजय कुमार लल्लू को हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का उत्तराखंड प्रभारी बनाया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए देशभर में 26 प्रभारी बनाए गए हैं, जो अलग-अलग राज्यों में पार्टी के इस अभियान पर नजर रखेंगे। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा को उत्तर प्रदेश व डॉ. मदन मोहन झा को दिल्ली प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस अभियान के लिए सांसद प्रमोद तिवारी को मध्य प्रदेश की कमान सौंपी गई है।

पीयूष आनंद को प्रशासन का जिम्मा, सात एडीजी रैंक के अधिकारियों के हुए तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शासन ने सात वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले मंगलवार देर रात कर दिए गए। जारी सूची के अनुसार पीयूष आनंद को अपर पुलिस महानिदेशक जीआरपी से अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन, पुलिस महानिदेशक कार्यालय के पद पर भेजा गया है। वहीं पुलिस महानिदेशक कार्यालय में इसी पद पर तैनात ए. सतीश गणेश को अपर पुलिस महानिदेशक जीआरपी बनाया गया है।

अन्य में पुलिस महानिदेशक कार्यालय में तैनात अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन प्रेमचंद्र मीना को अपर पुलिस महानिदेशक निदेशक बरेली जोन के पद पर भेजा गया है। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन के पद पर तैनात प्रेम प्रकाश को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक पद पर भेजा गया है। इसी तरह पुलिस महानिदेशक कार्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक पद पर तैनात आलोक सिंह को अपर महा पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन बनाया गया है, जबकि अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन भानु भास्कर को इसी पद पर प्रयागराज जोन भेजा गया है। वहीं अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन राजकुमार को अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक्स के पद पर भेजा गया है।

नीतीश सरकार की 1674 पदों के सृजन को मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मुख्य सचिवालय के मंत्रिमंडलीय कक्ष में हुई कैबिनेट की बैठक में सरकारी पदों में 1674 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। जबकि सिविल विमानन निदेशालय के लिए एक नए हेलीकॉप्टर और एक जेट विमान की खरीद के लिए उच्चस्तरीय कमेटी के गठन को अपनी स्वीकृति दे दी है।

मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ ने बताया कि एक 10 से 12 सीटर वाला हेलीकॉप्टर और विमान खरीदने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा कैबिनेट ने शिक्षा विभाग में क्षेत्रीय कार्यालय के लिपिक संवर्ग के लिए 1674 पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी है।

सरकार खरीदेगी एक नया जेट विमान और हेलीकॉप्टर

इसके साथ ही उद्योग विभाग के तीन महत्वपूर्ण एजेंडों को भी मंत्रिमंडल की सहमति मिली है। इसके तहत टेक्निकल टेक्सटाइल के लिए भगवानपुर में कंपनी स्थापित की जाएगी। इस पर 44 करोड़ 28 लाख की राशि को कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति दी है। साथ ही नालंदा और मुजफ्फरपुर में इथेनॉल इकाई स्थापित की जाएगी और इस यूनिट की स्थापना के मकसद से नालंदा हेतु 96 करोड़ 92 लाख, मुजफ्फरपुर के लिए 135 करोड़ 62 लाख की स्वीकृति कैबिनेट द्वारा दी गई है।

इसके अतिरिक्त नीतीश कैबिनेट ने भवन निर्माण विभाग के मुख्य वास्तुविद अनिल कुमार इस सेवा अवधि 1 साल के लिए बढ़ा दी है। अनिल कुमार 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे थे। नीतीश कैबिनेट ने भवन निर्माण विभाग और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र यानी एनआईसी पटना के बीच एक एमओयू करने का भी फैसला किया है। इसका मकसद भवन निर्माण विभाग के अंतर्गत परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली ऑनलाइन इन निवास एवं ऑनलाइन आवास कर देना और संग्रहण प्रणाली, जैसे- विभिन्न उद्योगों से उपयोग किए जा रहे सूचना प्रबंधन प्रणाली के रखरखाव, उनमें परिवर्तन, तकनीकी उन्नयन एवं सेवा विस्तारीकरण को मूर्त रूप देना है।

शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत लिपिकों को संवर्ग संरचना के अनुरूप पूर्व में स्वीकृत पदों में से 670 पदों को समपरिवर्तित करते हुए उच्च वर्गीय लिपिक 462 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही प्रधान लिपिक 161 एवं कार्यालय अधीक्षक 40 पदों को चिन्हित करने के साथ ही स्वीकृति दिए जाने से कार्यालय में कार्यरत लिपिकों को उन्नति का भी मौका मिल सकेगा। इससे क्षेत्रीय कार्यालय की कार्यशैली और भी बेहतर होगी और कार्यों का निष्पादन प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा।

जम्मू में तड़के ही फिर सुनाई दी गोलियों की तड़तड़ाहट, चार आतंकी किये गये ढेर

» जम्मू के सिधरा में हुई मुठभेड़ एडीजीपी मुकेश ने की पुष्टि

» ट्रक में छिपे थे मारे गए आतंकी हथियारों का जखीरा बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू में एक बार आतंकियों से मुठभेड़ की खबर सामने आई है। आज तड़के ही जम्मू के सिधरा इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई जिसमें जवानों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया है। मारे गए आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुई है। फिलहाल अब मुठभेड़ खत्म हो गई है।

पुलिस के अधिकारी ने बताया कि वहां 2-3 आतंकी थे और भी हो सकते थे, वे भारी हथियारों से लैस थे। उन्हें बेअसर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ सुबह करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों को तवी पुल के पास उस समय रोका गया जब वे एक ट्रक से कश्मीर जा रहे थे। जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इलाके में दो से तीन आतंकवादियों के होने की खबर है।

ट्रक में छिपे थे आतंकी

एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि हमने एक ट्रक की असामान्य गति देखी और उसका पीछा किया। ट्रक को जम्मू के सिधरा में रोका गया, जहां से चालक भागने में सफल रहा। ट्रक की तलाशी ली गई तो अंदर छिपे आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। फिर जवानों ने जवाबी फायरिंग की। बता दें कि एक सप्ताह पहले शोपियां जिले में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। इन आतंकवादियो के मारे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

लेह-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर गृहमंत्री शाह आज लेंगे अहम बैठक

नई दिल्ली। लेह-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज शाम क्रमशः तीन और चार बजे एक अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में सीआरपीएफ, बीएसएफ, जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। इसके अलावा खुफिया एजेंसी आईबी और रॉ के प्रमुख भी शामिल होंगे। जम्मू के सिधरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच बुधवार को हुई मुठभेड़ के बाद यह अहम बैठक बुलाई गई है।

इन मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

अमित शाह की इस बैठक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों, ड्रोन गतिविधि, टारगेट किलिंग और कश्मीरी पंडितों पर हमलों के मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। बता दें कि जम्मू शहर के साथ सटे सिद्रा इलाके में बुधवार तड़के सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में चार आतंकी मारे गए हैं। चारों आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और हथियार भी मिले हैं। मौके पर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की टीमें मौजूद हैं। अभी संबंधित क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

राहुल की सुरक्षा में चूक पर कांग्रेस सख्त, गृह मंत्रालय को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस गंभीर हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक का आरोप लगाते हुए गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखी है।

पार्टी का दावा है कि दिल्ली पुलिस राहुल गांधी की सुरक्षा के मुद्दे पर पूरे तरह से विफल है। पत्र में कहा गया कि जैसे ही यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली पहुंची उसके बाद कई बार राहुल गांधी की सुरक्षा में सेंध लगी और दिल्ली पुलिस भीड़ को काबू करने और उनके चारों ओर के सुरक्षा के घेरे को मेंटेन करने में असफल रही। राहुल को जेड प्लस सिक्योरिटी मिली है। केसी वेणुगोपाल ने शिकायत में कहा कि इसके बाद स्थिति काफी बिगड़ गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और भारत जोड़ो यात्रा में शामिल यात्रियों को सुरक्षा का घेरा बनाना पड़ा। दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रही और भीड़ को रोकने में नाकाम रही। इसके अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो का इस्तेमाल उन लोगों को डराने धमकाने में किया जा रहा है जो राहुल गांधी से मिल रहे हैं। आईबी उनसे लगातार पूछताछ कर रही है।

वायरल वीडियो ने करा दी यूपी पुलिस की किरकिरी

» डीआईजी के सामने राइफल में गोली भी नहीं डाल पाए सब इंस्पेक्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक वीडियो वायरल हो रहा है जो यूपी पुलिस की किरकिरी की वजह बन गया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के आला अधिकारी अब डैमेज कंट्रोल की कवायद कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस एक बार फिर अपनी ही हरकतों से शर्मसार हो गई। डीआईजी के सामने एक सब इंस्पेक्टर राइफल में गोली भी नहीं डाल पाए। वहीं, एक पुलिस अधिकारी ने राइफल की नली में ही गोली डाल दी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि अधिकारी टीयर गन ऑपरेट कर नहीं कर पा रहे । वहीं, इस पूरी घटना के बाद समाजवादी पार्टी यूपी की योगी सरकार पर हमलावर हो गई हैं।

सपा ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। सपा ने कहा है कि यूपी पुलिस को योगी सरकार ने क्या से क्या बना दिया है। सपा नेट्वीट किया है, योगी जी की पुलिस को बंदूक में गोली डालना भी नहीं आता! यूपी पुलिस बंदूक की नली से डाल रही गोली, चरम पर अज्ञानता। भाजपा सरकार में गरीबों और निर्दोषों का उत्पीडन् करने वाली अनुशासनहीन पुलिस के एसआई को बंदूक चलाना भी नहीं आता, शर्मनाक। ऐसे पुलिसकर्मियों से बेहतर होगी पुलिस फोर्स। वहीं, इस मामले पर यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा है कि वह खुद इस पूरे मामले की जांच करेंगे। वहीं, डीआईजी आरके भारद्वाज ने पुलिसकर्मियों की इस हालत को देखते हुए सही ट्रेनिंग के आदेश दिए हैं। हालांकि, वीडियो के सामने आने के बाद यूपी पुलिस की खूब किरकिरी हो रही है।

भारत जोड़ो यात्रा के संदेश को लेकर गांव गांव जाएंगे: गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। आज कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में भी जल्द नवाचार होने के संकेत दिए। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी की तरह राजस्थान के विधायक और मंत्री भी अब हर महीने 15 किलोमीटर पैदल यात्रा करेंगे।

इस दौरान गहलोत ने सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए इस दिन को सभी कांग्रेस जनों के लिए गर्व और गौरव का दिवस बताया। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर आने वाले समय में राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के समाप्त होने के बाद जो नए कार्यक्रम दिए गए हैं, उन्हें लेकर गली-गली, गांव-गांव जाएंगे।

संजय राउत का बड़ा खुलासा, शिंदे गुट के भ्रष्टाचार की फाइलें दे रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नागपुर एनआईटी जमीन घोटाला तो एक शुरुआत है और भी कई मामले सामने आएंगे। जिन मंत्रियों की भी फाइलें सामने आ रही हैं, वे फाइलें विपक्ष को बीजेपी ही उपलब्ध करवा रही है। यह सोचने वाली बात है कि बीजेपी और शिंदे गुट मिलकर महाराष्ट्र में सरकार चला रहे हैं। लेकिन भ्रष्टाचार की फाइलें सिर्फ एक गुट की ही खुल रही हैं। हमारा काम बीजेपी के लोग ही कर रहे हैं।

यह बड़ा खुलासा ठाकरे गुट के शिवसेना सांसद संजय राउत ने किया है। संजय राउत ने कहा जिस तरह विपक्षी पार्टियों का हमला शुरू है, उससे सरकार बच कर निकलने की कोशिशें करती हुई नजर आ रही है। महाराष्ट्र हो, दिल्ली हो या अन्य राज्यों की बात हो, भ्रष्टाचारी लोग इस्तीफे नहीं दे रहे। पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे नागपुर आए थे। वहां भी उन्होंने इस संबंध में कहा था कि भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लेकिन अगर वहां उन्होंने अपने आस-पास झांका होता तो उन्हें भ्रष्टाचारी लोग दिखाई देते।

संजय राउत ने कहा कि इस सरकार का मकसद ही भ्रष्टाचार करना है। हम यह सरकार नहीं चलने देंगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का यह बोझ अपनी पीठ पर ले चलना फडणवीस और बीजेपी के लिए मुश्किल होने वाला है। ये सभी लोग अलिबाबा के चालीस चोर वाले हैं। धीरे-धीरे सभी चालीस के चालीस विधायकों के भ्रष्टाचार के मामले सामने आएंगे। शिवसेना सांसद ने कहा कि इन अलिबाबा चालीस चोर की वजह से बीजेपी पूरी तरह से बदनाम हो रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।